

महफ़िल 2 | by Raj Preek

श्याम धणी का गुलशन महका महका लगता है।
महफ़िल में मौजूद है बाबा ऐसा लगता है।।

पहुँच ना सकता सेक गमों का, मेरे दिल की बस्ती में,
सर पर मेरे आज भी साया तेरा लगता है।।

बेशक भूले जग वाले हमें, हम ना तुमको भूलेंगे,
हर एक साँस पे बढ़ता तेरा कर्जा लगता है।।

ज़र्रे ज़र्रे से अब मुझको, खुशबू तेरी आती है,
पत्ता पत्ता याद में तेरी, डूबा लगता है।।

छुप जाओ तुम जाके कहीं भी, लेकिन पहचाने जाओगे,
चाँद से भी सुंदर जो चेहरा तेरा लगता है।।

ख्वाइश है ये हम बच्चों की, पूरी करना श्याम धणी,
नाज़ से एक दिन बोलो हमको, तू बेटा लगता है।।

महफ़िल में मौजूद है बाबा.....

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%b9%e0%a4%ab%e0%a4%bc%e0%a4%bf%e0%a4%b2-2-by-raj-preek/>